खबरों में रहे स्टॉक

पंजाब नैशनल बैंक

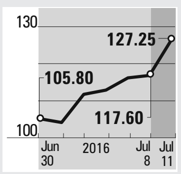

रिजर्व बैंक ने हटाया विदेशी निवेश से प्रतिबंध

₹ 117.60 पिछला बंद भाव
₹ 127.25 आज का बंद भाव
▲8.21 %

बजाज फाइनैंस

शेयर विभाजन और बोनस मुद्दे पर बोर्ड बैठक 26 को

₹ 8,189.10 पिछला बंद भाव
₹ 8,571.55 आज का बंद भाव
▲4.67 %

टाटा मोटर्स

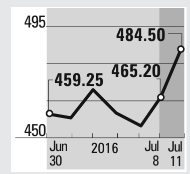

समूह की वैश्विक थोक बिक्री 21 फीसदी बढ़ी

₹ 465.20 पिछला बंद भाव
₹ 484.50 आज का बंद भाव
▲4.15 %

कैडिला हेल्थकेयर

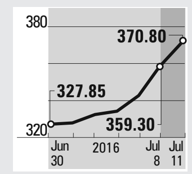

मधुमेह की दवा के लिए यूएसएफडीए की मंजूरी

₹ 359.30 पिछला बंद भाव
₹ 370.80 आज का बंद भाव
▲3.20 %

बर्जर पेंट्स इंडिया

बीएसई मिडकैप में सबसे अधिक चढ़ने वाला शेयर

₹ 296.95 पिछला बंद भाव
₹ 320.95 आज का बंद भाव
▲8.08 %

संक्षेप में

सरकारी बैंकों की पूंजी पर इस हफ्ते फैसला

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों में पूंजी डालने के पहले दौर की योजना पर इसी सप्ताह अंतिम निर्णय ले सकता है। सूत्रों के अनुसार बैंकों में पूंजी डालने के प्रस्ताव पर मंत्रालय से इसी सप्ताह मंजूरी मिल सकती है। सूत्रों ने कहा कि बैंकों के चौथी तिमाही के परिणाम आने के बाद हर बैंक ने गैर-निष्पादित राशि यानी फंसे कर्ज से जुड़े मुद्दे आदि सरकार के समक्ष रखे। इसके बाद वित्तीय सेवा विभाग ने पहली किस्त की पूंजी डालने पर अपने निर्णय को अंतिम रूप दिया। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंकों में पूंजी डालने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान किया है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने यह भी आश्वासन दिया है कि जरूरत पड़ने पर और धन उपलब्ध कराया जाएगा। *भाषा*

भारतीय कंपनियां आशावादी, पर भरोसा घटा

भारत की निजी कंपनियां इस साल वृद्धि की संभावना के बारे में आशावादी बनी हुई हैं लेकिन देश-विदेश के चुनौतीपूर्ण हालात की चिंता में उनके विश्वास पर असर पड़ा है। यह बात एक सर्वेक्षण में कही गई। भरोसा घटने से भारतीय कंपनियों की व्यावसायिक गतिविधियों की शुद्ध बढ़ती जून में घटकर 15 फीसदी रह गई जो फरवरी में 16 फीसदी थी। यह इस सर्वेक्षण के इतिहास में सबसे कम और सभी चार ब्रिक देशों में न्यूनतम है। *भाषा*

निरमा: लाफार्ज सौदे के मायने

सोडा ऐश और डिटरजेंट कारोबार में तगड़ी प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए रणनीति

सोहिनी दास और विजय उमरजी
अहमदाबाद, 11 जुलाई

विविध कारोबार करने वाली अहमदाबाद की कंपनी निरमा लिमिटेड को अपने सोडा ऐश एवं डिटरजेंट कारोबार में तगड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और इससे निपटने के लिए वह खुद को दिग्गज जिंस कारोबारी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि करसनभाई पटेल के नेतृत्व वाली कंपनी ने करीब 9,400 करोड़ रुपये (1.4 अरब डॉलर) में लाफार्ज इंडिया के सीमेंट कारोबार का अधिग्रहध किया है।

विश्लेषकों और उद्योग के आंतरिक सूत्रों का मानना है कि निरमा ने लाफार्ज की परिसंपत्तियों के लिए भले ही ऊंची रकम अदा की हो लेकिन उसे अपने दमदार निरमा ब्रांड की बदौलत बाजार में तेजी से अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह सौदा निरमा के लिए काफी उपयुक्त दिखता है क्योंकि वह राजस्थान में पहले से ही मौजूद है और पिछले कुछ समय से गुजरात में परिसंपत्तियों की तलाश कर रही थी। फिलहाल सालाना 13 से 14 एमटी (मिलियन टन) क्षमता के साथ निरमा देश के सीमेंट क्षेत्र की एक महत्त्वपूर्ण खिलाड़ी के तौर पर उभरेगी। गुजरात के महुवा में उसके प्रस्तावित सीमेंट संयंत्र को लगातार पर्यावरण संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में तैयार परिसंपत्तियों का अधिग्रहण कंपनी के सीमेंट कारोबार के विकास के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

इससे पहले निरमा ने राजस्थान के अपने सीमेंट संयंत्र में करीब 1,300 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सालाना 2.28 एमटी क्षमता का यह संयंत्र नवंबर 2014 के आसपास चालू हो गया था। हालांकि कंपनी सोडा ऐश और डिटरजेंट क्षेत्र की प्रमुख खिलाड़ी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों के दौरान डिटरजेंट कारोबार में तगड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण उसकी बाजार हिस्सेदारी काफी घट चुकी है। ऐसे में कच्चे माल से जुड़े कारोबार का एकीकरण निरमा के लिए एक प्रमुख रणनीतिक बल है क्योंकि कंपनी सोडा ऐश और लीनियर अल्काइल बेंजीन (एलएबी) सहित प्रमुख कच्चे माल का उत्पादन करती है जिनका इस्तेमाल डिटरजेंट बनाने में किया जाता है।

क्रिसिल की हालिया विश्लेषण में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान निरमा के राजस्व ढांचे में काफी बदलाव आया है। उसके कुल राजस्व में सोडा ऐश और एलएबी का योगदान 2014-15 में करीब 60 फीसदी रहा जो 2008-09 में 46 फीसदी रहा था। हालांकि घरेलू बाजार में सोडा ऐश की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों से संबद्ध है जिसमें पिछले कुछ समय से काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है।

सोडा ऐश उद्योग में डंपिंग रोधी शुल्क (एडीडी) के कारण काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है और इसके वैश्विक बाजार में चीन अहम भूमिका निभा रहा है। डंपिंग रोधी शुल्क बढ़ाए जाने से सोडा ऐश के आयात पर लगाम लगा और निरमा सहित अन्य घरेलू कंपनियों के उत्पादन में तेजी दिखने लगी। हालांकि एडीडी की अंतिम समय-सीमा 31 मार्च 2017 के नजदीक आते ही उद्योग को अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सरकार संभवत: समय-सीमा में विस्तार नहीं देने जा रही है। ऐसे में सस्ते आयात के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और निरमा, जीएचसीएल, टाटा केमिकल्स आदि घरेलू कंपनियों की परेशानी बढ़ेगी।

अधिग्रहण

- यह सौदा निरमा के लिए काफी उपयुक्त दिखता है क्योंकि वह राजस्थान में पहले से ही मौजूद है
- इस सौदे के साथ ही निरमा देश के सीमेंट क्षेत्र की एक महत्त्वपूर्ण खिलाड़ी के तौर पर उभरेगी
- पिछले कुछ वर्षों के दौरान निरमा के कुल राजस्व में सोडा ऐश और लीनियर अल्काइल बेंजीन का योगदान बढ़ा है

निरमा को और मजबूती देंगे डिटरजेंट पुरुष

बीएस संवाददाता
अहमदाबाद, 11 जुलाई

करसनभाई पटेल

निरमा लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन 71 वर्षीय करसनभाई पटेल ने 1960 के दशक के उत्तरार्ध में अपनी कारोबारी यात्रा शुरू की थी। उस दौरान वह अपने घर में ही डिटरजेंट बनाते थे और घर-घर जाकर उसे बेचते थे। उनका यह सफर अब एक किंवदंती बन चुका है। 1984 में स्थापित होने के बाद 1990 के दशक तक निरमा का डिटरजेंट कारोबार एक प्रमुख ब्रांड बन चुका था। पिछले पांच दशक के दौरान पटेल ने निरमा को घरेलू महिलाओं के बीच एक लोकप्रिय ब्रांड बना दिया।

एक कार दुर्घटना में अपनी बेटी के खोने के बाद पटेल ने प्रमुख डिटरजेंट और सोडा ऐश कंपनी को निरमा नाम देकर उसे अमर कर दिया। शर्मीले स्वभाव के उद्यमी पटेल विपणन में सरलता और जोखिम लेने की योग्यता के कारण जाने जाते हैं।

निरमा 1980 के दशक के आरंभ में खरीदारों की तलाश के लिए संघर्ष कर रही थी। उस दौरान पटेल ने सभी बकाये भुगतान को जुटाने और जबरदस्त विज्ञापन अभियान के जरिये निरमा की मांग पैदा करने की रणनीति बनाई। इसका असर दिखा और निरमा उत्पादों को खरीदने के लिए ग्राहक दुकान तक जाने लगे लेकिन उन्हें खाली हाथ वापस आना पड़ता था। निरमा उत्पादों की मांग बढ़ने पर करसनभाई ने खुदरा बाजारों में आपूर्ति बढ़ा दी जिससे कंपनी को काफी फायदा हुआ।

उस दौर को 'विपणन के चमत्कार' के रूप में जाना जाता था। उस दौरान निरमा अपने करीबी प्रतिस्पर्धी एचयूएल के सफ से काफी आगे निकल गई थी। करसनभाई पटेल को अपनी उद्यमशीलता के लिए 2010 में पद्मश्री से नवाजा गया।

यात्री वाहन खंड में दर्ज हुई 6.7 फीसदी की वृद्धि

अजय मोदी
नई दिल्ली, 11 जुलाई

जून में कार बिक्री में 5.2 फीसदी की गिरावट आई लेकिन यूवी की बिक्री में 35 फीसदी की वृद्धि हुई

घरेलू यात्री वाहन बाजार के लिए जून माह खासा उत्साहजनक नहीं रहा। इस दौरान यात्री कार श्रेणी में में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। जून माह के दौरान कार बिक्री में 5.2 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन यात्री वाहन (पीवी) श्रेणी में 2.7 फीसदी की वृद्धि को, यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री में दर्ज 35 फीसदी इजाफे का सहारा मिला।

कार, यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) और वैन मिलकर घरेलू यात्री वाहन बाजार का निर्माण करते हैं। अप्रैल-जून तिमाही में, यात्री वाहनों की बिक्री 6.7 फीसदी की वृद्धि रही, इस वृद्धि को भी यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री में हुए 38 फीसदी के इजाफे ने सहयोग किया। उल्लेखनीय है इस बार भी कारों की बिक्री में 1.41 फीसदी की गिरावट आई।

कारों का पीव्ही बाजार में 68 फीसदी का योगदान है वहीं यूवी अन्य 25 फीसदी का योगदान देता है और बाकी हिस्सा वैनों की बिक्री से आता है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के महानिदेशक, विष्णु माथुर ने कहा, 'ग्राहक अब यूटिलिटी वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं। कॉम्पैक्ट एसयूवी खंड ने पीव्ही खंड की बिक्री पैटर्न में बदलाव ला दिया है। हालांकि हम यात्री कार वृद्धि में थोड़ी वृद्धि भी दर्ज कर रहे हैं।' इस यूवी बिक्री का श्रेय प्रमुख कंपनियों मसलन मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा और महिंद्रा द्वारा किए नए लॉन्च पर भी काफी हद तक निर्भर रहा। जून माह में दोपहिया वाहनों की बिक्री 12.26 फीसदी की वृद्धि हुई।

इमामी: वैश्विक बिक्री से राजस्व पर जोर

अभिषेक रक्षित
कोलकाता, 11 जुलाई

पर्सनल केयर और हेल्थकेयर कारोबार में सक्रिय इमामी लिमिटेड अब अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार से राजस्व जुटाने पर अधिक जोर दे रही है। अंतरराष्ट्रीय बिक्री के जरिये राजस्व में इजाफे करने के लिए कंपनी ने एक खाका तैयार किया है जिसमें दक्षिण-पूर्व एशिया में अधिग्रहण के साथ-साथ यूरोपीय देशों और अन्य क्षेत्रों में नए संयंत्र लगाकर ऑर्गेनिक वृद्धि दर्ज करने जैसी बातें शामिल की गई हैं।

वित्त वर्ष 2016 के दौरान कंपनी के कुल राजस्व में अंतरराष्ट्रीय कारोबार ने तकरीबन 14 फीसदी (लगभग 365 करोड़ रुपये) का योगदान दिया और कंपनी की कुल आय तकरीबन 2623 करोड़ रुपये रही। वहीं पूववर्ती वित्त वर्ष 2015 में यह योगदान महज 318 करोड़ रुपये का था। इमामी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार वित्त वर्ष 2016 में 15 फीसदी तक बढ़ा।

कंपनी के निदेशक प्रशांत गोयनका ने बिजनेस स्टैंडर्ड से बातचीत में कहा, 'इस साल कुल कारोबार में अंतरराष्ट्रीय राजस्व का योगदान तकरीबन 16 फीसदी तक रहने की उम्मीद है। अगले पांच सालों में यह योगदान कुल बिक्री का 30-35 फीसदी तक पहुंच सकता है।'

गोयनका के मुताबिक, पश्चिम एशिया, रूस और अन्य क्षेत्रों के लिए ऑर्गेनिक वृद्धि का खाका तैयार कर लिया गया है साथ ही अधिग्रहण मार्ग भी कंपनी को अगले पांच साल में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सहयोग देगा। इस संदर्भ में, कंपनी ने वर्ष 2016-17 के दौरान अपने खर्च में 25-30 फीसदी का इजाफा किया है। उन्होंने कहा, तकरीबन 70 फीसदी आवंटन विपणन क्रियाओं के लिए किया गया है वहीं बाकी का 30 फीसदी आवंटन उत्पाद विकसित करने पर खर्च किया जाएगा। कंपनी ने बांग्लादेश में एक सुविधा तंत्र स्थापित किया है मुख्यत: नॉन-ऑर्गेनिक उत्पादों को तैयार करती है। यह संयंत्र अंतरराष्ट्रीय बाजार की 25 फीसदी मांग को पूरा करते हैं। वहीं इसकी ऑस्ट्रेलियाई सहयोगी इकाई फ्रेबिन पिटी लिमिटेड वैश्विक कारोबार के लिए बने उत्पादों की ऑर्गेनिक रेंज का खयाल रखती है।

25 हजार रुपये तक शुल्क मुक्त सामान खरीद सकेंगे: विदेश से आने वाले हवाई यात्री अब देश के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर स्थित शुल्क-मुक्त दुकानों से 25,000 रुपये तक के सामान की खरीदारी कर सकेंगे। यह मौजूदा सीमा से पांच गुना है। यह फैसला यात्रियों की शिकायत के बाद लिया गया है, जिनका कहना था कि शुल्क मुक्त खरीद की 5000 रुपये की मौजूदा सीमा कम है। *भाषा*

बी एच ई एल BHEL

BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
पीपीएक्स-ईएम, हीप, बीएचईएल, रानीपुर, हरिद्वार-249403
फोन: 01334-281644, फैक्स: 01334-226462, ई-मेल: v_singh@bhelhwr.co.in
निविदा संख्या - NIT/301/E/E211/2016/1207H/1
निम्नलिखित उपकरण के लिए निविदाएं, दो भागों में आमंत्रित की जाती हैं।

उपकरण का विवरण	मात्रा (संख्या)	खुलने की तिथि
Field Lead Core Bar (Drg. No. 41360301158, Rev: 01)	8	06.08.16

विस्तृत सूचना एवं निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए हमारी वेबसाइट www.bhel.com/www.bhelhwr.co.in/www.tenders.gov.in/www.eprocure.gov.in देखें। संशोधन, स्पष्टीकरण या शुद्धि पत्र यदि होगा, तो केवल वेबसाइट पर ही दिया जाएगा।
वरि. अभियंता (ईएम)

पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड

निर्माण, स्वामित्व, परिचालन एवं अनुरक्षण (बूम) आधार पर "पूर्वी क्षेत्र में 765केवी सशक्तिकरण (ईआरएसएस-XVIII)" के आरएफक्यू के लिए प्रत्युत्तर जमा करने का समय विस्तार

आरएफक्यू के लिए प्रत्युत्तर जमा करने की अंतिम तिथि जो पहले **13 जुलाई, 2016** को 15:00 बजे (भा.मा.स) या उससे पहले थी बढ़ाकर **25 जुलाई, 2016** को 15:00 बजे (भा.मा.स) या उससे पूर्व कर दी गई है। आरएफक्यू के प्रत्युत्तर उसी तिथि में 15:30 बजे (भा.मा.स) खोले जाएंगे। आरएफक्यू दस्तावेज़ में निर्धारित अन्य समय सीमाएं भी तदनुसार बढ़ाई जाएंगी। आरएफक्यू दस्तावेज पीएफसी की वेबसाइट **www.pfcclindia.com** पर उपलब्ध हैं।
नोट: पीएफसी कन्सल्टिंग लिमिटेड के पास बिना कोई कारण बताए तथा बिना किसी उत्तरदायित्व के निविदा प्रक्रिया को रद्द या संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित है। यह कोई प्रस्ताव नहीं है।
पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड
(पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की पूर्णतः स्वामित्वाधीन सहायक कम्पनी-भारत सरकार का उपक्रम)
पंजी. कार्यालय: पहला तल, "ऊर्जानिधि", 1, बाराखम्बा लेन, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली-110001, इंडिया, फोन: 91-11-23456144, फैक्स: 91-11-23456170
ईमेल: **pfccl.itp@pfcindia.com**

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
सीआईएन: एल13100एपी1958जीओआई001674
'खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500 028
फोन नं. 0091-40-23538713 से 23538721 एक्स.: 228/535/372, 23538710
ईमेल : jmsrao@nmdc.co.in; apreetamkumar@nmdc.co.in: ksmurthy@nmdc.co.in: kvijaybhaskar@nmdc.co.in

वैश्विक निविदा सूचना

एनएमडीसी लिमिटेड, आरएंडडी यूनिट, हैदराबाद (तेलंगाना) और एनएमडीसी लिमिटेड, डायमंड माइनिंग प्रोजैक्ट, मझगांव, पन्ना (मध्य प्रदेश), भारत को निम्नलिखित उपकरण की आपूर्ति हेतु निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र. सं.	निविदा संदर्भ	उपकरण	निविदा जमा करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय
1	एचक्यूएमएम/0209-12/03X007/66 दि. 08.07.2016	पन्ना प्रोजैक्ट के लिए फ्रंट एन्ड लोडर 3-3.5 कम बकेट कपेसिटी (डि-रेटिड)	09.08.2016 (2.30 भा.मा.स. तक)
2	एचक्यूएमएम/0032-13/712 दि. 08.07.2016	आरएंडडी यूनिट, हैदराबाद के लिए एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर	09.08.2016 (2.30 भा.मा.स. तक)

विस्तृत निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट www.nmdc.co.in के निविदा सेक्शन में और www.eprocure.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। यदि उपरोक्त निविदा सूचना में कोई संशोधन होता है तो यह केवल एनएमडीसी वेबसाइट www.nmdc.co.in के निविदा सेक्शन में अपलोड किया जायेगा और किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगा। अतः संभावी निविदाकार ऐसे किसी संशोधन यदि होता, की सूचना के लिए नियमित एनएमडीसी वेबसाइट देखते रहें।
महाप्रबंधक (सामग्री)

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी 210,211, सेक्टर-63, नोएडा-201301, उ0प्र0 से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादक भूपेश भन्डारी

आरएनआई न0 DELHIN/2008/27804
पाठक संपादक को **lettershindi@bsmail.in** पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन- 011-23720202-10 फैक्स 011-23720201
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. **subs_bs@bsmail.in,** टेलीफोन.. 1800 11 4300 टोल फ्री
या 57007 पर एसएमएस करें **SUB BS**

डिस्क्लेमर.. बिजनेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कार्पोरेट जगत और सरकार के घटनाक्रमों की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिजनेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिजनेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है।

अन्यथा उल्लिखित नहीं किए जाने पर मै0 बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेटस एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (कानून) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम और पता (पते)(अे) (ए)	कर्ज राशि (रू.) (बी)	गिरवी संपत्ति का विवरण (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	**1. नरूला इलेक्ट्रीकल्स (अधिकृत भागीदार द्वारा)** **श्री/श्रीमती** **2. विजय कुमार नरूला** (नरूला इलेक्ट्रीकल्स भागीदार) **3. विकास नरूला (@ विकास कुमार नरूला)** (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स) **4. प्रेम रानी नरूला (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स)** **5. बीएनजे इनफोटेक प्राईवेट लिमिटेड** (निदेशक द्वारा) **सभी:** प्लोट नं. 40, सेक्टर-1, जीएमपी, नवयुग मार्केट, (सिहानी गेट स्किम), गाजियाँबाद 201001 (उ.प्र.). **1. नरूला इलेक्ट्रीकल्स** (अधिकृत भागीदार **2. विजय कुमार नरूला** (नरूला इलेक्ट्रीकल्स भागीदार) **3. विकास नरूला (@ विकास कुमार नरूला)** (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स) **4. प्रेम रानी नरूला (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स)** **साथ ही सभी:** 102, नवयुग मार्केट, गाजियाँबाद 201001 (उ.प्र.). **2. विजय कुमार नरूला** (नरूला इलेक्ट्रीकल्स भागीदार) **3. विकास नरूला (@ विकास कुमार नरूला)** (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स) **4. प्रेम रानी नरूला (भागीदार, नरूला इलेक्ट्रीकल्स)** **साथ ही सभी:** R/O हाऊस नं. आर-8/19, राज नगर, गाजियाँबाद -201001 (उ.प्र.). **साथ ही सभी:** प्लोट बेअरींग नं. 70/ए-034 (प्लोट नं. 34, ब्लोक-ए, सेक्टर-70) न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेव्हलपमेन्ट एरिया (नॉएडा), जिला गौतम बुध्द नगर (उत्तर प्रदेश) - 201301. **5. बीएनजे इनफोटेक प्राईवेट लिमिटेड** (निदेशक द्वारा) **साथ ही :** बी-163, दुसरी मंजिल, नरैना विहार, नई दिल्ली - 110028. **साथ ही :** डब्लू -132, ग्रेटर कैलाश, भाग-I, नई दिल्ली -110030. **साथ ही :** डी-31, आरडीसी, राज नगर, गाजियाँबाद - 201001 (उ.प्र.). **साथ ही :** 109, नवयुग मार्केट, गाजियाँबाद 201001 (उ.प्र.). **साथ ही :** के. एल. कावी नगर, **गाजियाँबाद (उ.प्र.).**	रू. **3,45,30,000/-** (रूपये तीन करोड पैंतालीस लाख तीस हजार मात्र) के लिए कर्ज खाता क्र. **HLAPNOD00214404**	**संपत्ति है :** प्लोट नं. 40, सेक्टर-1 में स्थित, जीएमपी, नवयुग मार्केट, (सिहानी गेट स्किम), गाजियाँबाद 201001 (उ.प्र.). (अधिक वर्णन जुड़े हुए अनुसूची ए में दिया हुआ है.)	रू. **3,79,18,401/-** (रूपये तीन करोड उनासी लाख अठारह हजार चार सौ एक मात्र) **28.06.2016** के अनुसार **@ 13.50%** प्रति वर्ष की दर से भावी ब्याज के साथ **29.06.2016** से प्रभावी होकर भुगतान की वास्तविक तिथि तक.

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है। उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है, उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतद्द्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ सी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी तथा विधि में कंपनी को उपलब्ध रूप से अन्य ऐसी भी कार्रवाइयां भी की जाएंगी की, आप यह जान लें कि, उधार लेने वाले (एकाधिक) पर एतद्द्वारा पृथक करने (अंतरण, विक्रय, पट्टे या अन्य प्रकार सहित) या तृतीय पक्ष का हित सृजित करने या कंपनी की विशिष्ट लिखित पूर्वानुमति के बिना किसी भी प्रकार से बंधक रखी गई संपत्ति का सौदा करने पर रोक लगाई जाती है। यह जान लें कि, इसका कोई उल्लंघन करने पर एक वर्ष की अवधि तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दण्डनीय होगा।

अनुसूची ए
(सुरक्षित सम्पत्ति का वर्णन)

संपूर्ण बिल्डींग नं. 40 के खंड और भाग, मापित 311.11 स्के. यार्डस जैसे 260.11 स्के मीटर्स बेसमेन्ट शामिल, तल मंजिल, पहली मंजिल, दुसरी मंजिल और तिसरी मंजिल सेक्टर-1 में स्थित, जीएमपी, नवयुग मार्केट, (सिहानी गेट स्किम), गाजियाँबाद 201001 (उ.प्र.) निम्ननुसार परिबध्द है।

पूर्व - प्लोट नं. **39**, पश्चिम - प्लोट नं. **41**, उत्तर - **20** फूट चौड़ी लेन दक्षिण - **55** फूट चौड़ा रोड

कृते इन्डियाबुल्स हाउसिंग फाइनेन्स लि.
प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: **दिल्ली / नोएडा / गाजियाँबाद (उ.प्र.)**

IndianOil
Refineries Division-Bongaigaon Refinery
NOTICE INVITING E-TENDERS
Bongaigaon Refinery invites electronic bids through its website **https://iocletenders.gov.in** under two bid system.
NIT No.: BN16BD094
Name of the Work : AMC of Centralised AC System in Refinery area of IOCL BGR.
Downloading Period : 11.07.2016 to 01.08.2016
Bid Submission closing date : 01.08.2016
Contact Person : Senior Manager (Contracts) **Ph. :** 03664-253382
E-mail : bn_deka@indianoil.in
Note : Any addendum/corrigendum/sale date extension in respect of above tender shall be issued on our above website only.
Job opportunities in IndianOil, only through Press Advt. Log on to www.iocl.com for details.

FORTIS MALAR HOSPITALS LIMITED
Corporate Identity Number: L85110DL1989PLC276986
Registered Office: Escorts Heart Institute and Research Centre, Okhla Road, New Delhi – 110 025
Tel : 011 2682 5000; Fax : 011 4162 8435
Website: www.fortismalar.com,
Email: secretarial.malar@malarhospitals.in

NOTICE

Pursuant to Regulation 29 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, Notice is hereby given that a meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Tuesday, July 19, 2016, to inter alia, consider and approve Un-Financial Results for the Quarter ended on June 30, 2016. The same is also available on the website of the Company-www.fortismalar.com and that of BSE Limited- www.bseindia.com.

For Fortis Malar Hospitals Limited
Sd/-
Dated : July 12, 2016 **Sumit Goel**
Place : Gurgaon **Company Secretary**

महिला ग्राहकों को रिझा रहीं लक्जरी स्पोर्ट्स कार कंपनियां

अजय मोदी
नई दिल्ली, 11 जुलाई

स्पोर्ट्स कार के दीवाने केवल पुरुष ही नहीं है बल्कि महिलाएं भी अब इसमें काफी दिलचस्पी दिखाने लगी हैं। यही कारण है कि लक्जरी स्पोर्ट्स कार बनाने वाली कंपनियां अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए महिला ग्राहकों को आकर्षित करने की रणनीति बना रही हैं। लेम्बोर्गिनी और पोर्श जैसे प्रमुख सुपर स्पोर्ट्स कार ब्रांड भारत में महिलाओं को रिझाने की कोशिश कर रही हैं ताकि यहां उन्हें अपना पांव पसारने में मदद मिल सके।

इटली की कंपनी लेम्बोर्गिनी भारतीय बाजार में कुछ ऐसा करने की कोशिश कर रही है जैसा उसने वैश्विक स्तर पर कहीं नहीं किया। कंपनी ने 10 महिलाओं की पहचान की है जो संभावित खरीदार हो सकती हैं। कंपनी ने इन महिलाओं के लिए रविवार को मध्य दिल्ली से ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनैशनल सर्किट तक 50 किलोमीटर ड्राइव का आयोजन किया। इन महिलाओं में प्रमुख कारोबारियों की पत्नी, बेटी अथवा सफल उद्यमी शामिल थीं। कंपनी ने उनके नामों का खुलासा करने से इनकार किया। रविवार को आयोजित ड्राइव का नेतृत्व एक प्रमुख कारोबारी की पत्नी कोलकाता की शीतल डुगर ने की। उन्होंने इसी साल के आरंभ में लेम्बोर्गिनी हुरैकन खरीदने वाली पहली भारतीय महिला बनी थी। हुरैकन की कीमत करीब 3 करोड़ रुपये है।

लेम्बोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा, 'महिलाओं के बीच इसका स्वामित्व बढ़ रहा है। हमें उनके साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है। इस ड्राइव में भाग लेने वाली महिलाएं भारत में हमारी कारों की अगली मालकीन हो सकती हैं।'

पिछले महीने पोर्श ने महिलाओं के 20 दिवसीय हिमालय अभियान के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाली अपनी कैयेने की पेशकश की थी। पोर्श इंडिया के निदेशक पवन शेट्टी ने कहा, 'महिला खरीदार हमारे कारोबार का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस प्रकार की पहल से महिला ग्राहकों के बीच दिलचस्पी बढ़ रही है और हमारी नई 911 के पहले ग्राहकों में एक महिला भी हैं।'

लेम्बोर्गिनी और पोर्श जैसी कंपनियां पहले से ही महिलाओं को रिझाने की कोशिश कर रही हैं। शिक्षा और आतिथ्य सेवा क्षेत्र में कारोबार करने वाले दिल्ली के एमबीडी ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक सोनिका मल्होत्रा ने कहा, 'मैं सिडैन या स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल चलाने वालों में नहीं हूं। पिछले कुछ वर्षों से मैं स्पोर्ट्स कार चला रही हूं। इन दिनों मैं पोर्श 911 चाला रही हूं।' उनकी बहन मोनिका भी पोर्श कार चलाती हैं।